प्रो0 गुलाम गौस, नेता प्रतिपक्ष द्वारा "राज्य में व्याप्त बाढ़ एवं सुखाड़ की स्थिति से संबंधित सूचना पर दिनांक 08.08.2012 को सरकार का वक्तव्य।

बाढ़ पूर्व तैयारी हेतु पूर्व से "बाढ़ आपदा प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रकिया (Standard Operating Procedure)" निर्धारित की गई है, जिसमें बाढ़ आपदा से पूर्व, बाढ़ आपदा के दौरान तथा बाढ़ आपदा के पश्चात किए जाने वाले किया–कलापों को संकलित किया गया है तथा सभी संबंधित विभागों के लिए उनके दायित्व का भी निर्धारण किया गया है। जिसके आलोक में सभी बाढ़ प्रवण जिलों को बाढ़ पूर्व तैयारियों का निदेश दिया गया है। बाढ़ पूर्व तैयारी हेतु नावों की मरम्मति, नए नावों की क्रय, मोटर बोट पॉलिथिन शीट्स, महाजाल, टेन्ट, मानव दवा, पशु दवा, खाद्यान्न, आदि का भंडारण किया गया है। विभाग द्वारा 40.5311 करोड़ रूपये बाढ़ पूर्व तैयारी हेतु आवंटित किए गए हैं। विभाग द्वारा संसाधनों का मानचित्रण तैयार कर लिया गया है। वर्त्तमान में राज्य सरकार के गोदाम में पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध हैं। एस0डी0आर0एफ0 का गठन किया गया है। एहतियात तौर पर गोपालगंज, सुपौल, मुजफ्फरपुर जिलों में एन0डी0आर0एफ0 का Pre positioning किया गया है। राज्य मुख्यालय में एवं जिलों में बाढ़ आपदा की आपात स्थिति से निपटने के लिए नियंत्रण कक्ष कार्यरत हैं। मुख्यालय स्तर पर प्रतिदिन जिलों से बाढ़ की स्थिति संबंधी प्रतिवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं तथा उनकी समीक्षा की जा रही है। दिनांक 23.07.2012 को माननीय मुख्य मंत्री द्वारा संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिवों के साथ बाढ़ प्रवण जिलों के प्रमंडलीय आयुक्तों, जिला पदाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों से बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा की गई। वर्त्तमान में किसी भी जिले में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई है। कुछेक जिलों के निचले इलाकों में नदियों के जलस्तर बढ़ने से पानी आ जाने के कारण निम्नांकित प्रकार से राहत वितरण कार्य चलाये जा रहे हैं और स्थिति पर सतत् निगरानी रखी जा रही है:

क0	जिला का नाम	प्रभावित पंचायत	प्रभावित आवादी (लाख में)	क्षतिग्रस्त मकान	मानव मृत्यु	चलाये जा रहे नावों की संख्या	खाद्यान्न वितरण	पॉलिथिन वितरण
1	सुपौल	22	0.56	166		159	0.00	176
2	सहरसा	10	0.01	123	1	48	67.00	67
3	मुजफ्फरपुर	14	0.5	0	3	47	0.00	50
4	मधुबनी	2	0.09			104		
5	पूर्णियां	7	0.36	52		0	40.00	260
	कुल	**55**	**1.52**	**341**	**4**	**358**	**107**	**553**

2. राज्य में मॉनसून के बिलम्ब से आने तथा अबतक औसत से 21 प्रतिशत कम वर्षापात होने के कारण राज्य के कतिपय जिलों में खरीफ फसलों का आच्छादन यथा धान का आच्छादन लक्ष्य के विरूद्ध 64.36 प्रतिशत एवं मक्का का आच्छादन लक्ष्य के विरूद्ध 77.98 प्रतिशत हुआ है। अबतक राज्य के 10 जिलों यथा बांका, बेगूसराय, बक्सर, जमुई, कटिहार, खगड़िया, नवादा, पूर्णियां, सहरसा एवं समस्तीपुर जिलों में राज्य औसत से कम वर्षा प्रतिवेदित हुई है। अल्प वर्षापात तथा वर्षापात में क्षेत्रीय असमानता के कारण उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर समीक्षा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में Crisis Management Group की बैठक दिनांक 16.07.12 तथा 06.08.12 को की गई है। स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय को वर्षापात के आकड़े नियमित रूप से आपदा प्रबंधन विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों को भेजे जाने का निदेश दिया गया है। कृषि विभाग द्वारा प्रखण्डवार वर्षापात के आकड़ें संग्रहित किए जा रहे हैं। वर्षापात के आकड़ें, धान के फसल का आच्छादन एवं मक्का के फसल का आच्छादन जैसे महत्वपूर्ण संकेतांकों को समग्र रूप से ध्यान में रखकर सुखाड़ का वस्तुपरक आकलन किया जा रहा है।

3. धान के बिचड़ों को बचाने के लिए डीजल सब्सिडी दिया जा रहा है। लघु जल संसाधन विभाग के 62 नलकूपों के ट्रांसफॉरमर जलने के कारण बंद नलकूपों